MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

भारत की पहली Top Gun बनीं भावना कंठ, पाकिस्तान की उड़ी नींद

विषय सूची (Table of Contents):

>> भारत की पहली टॉप गन बनीं भावना कंठ भारतीय वायुसेना में रचा ऐतिहासिक कीर्तिमान...

>> ऐतिहासिक मुकाम की मुख्य विशेषताएं...

>> क्या है फाइटर कॉम्बैट लीडर (FCL) कोर्स और ग्वालियर का TACDE टॉप गन स्कूल?...

>> TACDE और FCL कोर्स की मुख्य बातें...

>> 100 में से सिर्फ 1 का होता है चयन भावना ने कैसे पार की 20 हफ्तों की सबसे कठिन ट...

>> कठोर चयन प्रक्रिया और 20 हफ्तों का कड़ा इम्तिहान...

>> मिग-21 से सुखोई-30MKI तक का रोमांचक सफर वायुसेना का सबसे ताकतवर जेट उड़ाती हैं ...

>> मिग-21 से एयर डोमिनेंस जेट की यात्रा...

>> गणतंत्र दिवस परेड से लेकर फाइटर कॉकपिट तक पहले भी कई कीर्तिमान रच चुकी हैं स्क्...

>> भावना कंठ के प्रमुख ऐतिहासिक कीर्तिमान...

>> बिहार के छोटे से शहर से आसमान की उड़ान तक जब सच हुआ बचपन का सपना...

>> यह हमेशा के लिए समय था भावना का बचपन का सपना...

>> पाकिस्तान की उड़ी नींद भावना कंठ की यह नई उपलब्धि दुश्मनों के लिए क्यों है खौफ ...

>> दुश्मन देशों के लिए खौफ का कारण...

>> निष्कर्ष नारी शक्ति और भारतीय वायुसेना का स्वर्णिम युग...

>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

Bhawana Kanth Top Gun Fighter Pilot:भारतीय वायुसेना (IAF) की जांबाज अधिकारीस्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ (Squadron Leader Bhawana Kanth)ने आसमान की ऊंचाइयों में एक बार फिर भारत का परचम लहराया है। उन्होंने वह अद्भुत मुकाम हासिल किया है, जो देश के इतिहास में आज तक कोई भी महिला पायलट हासिल नहीं कर सकी थी। ग्वालियर स्थित प्रतिष्ठित टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (TACDE) से फाइटर कॉम्बैट लीडर (FCL) कोर्स सफलतापूर्वक पूरा कर भावना कंठ भारत की पहली महिला टॉप गन (Top Gun)बन गई हैं।

बिहार के एक छोटे से शहर से निकलकर फाइटर जेट के कॉकपिट तक पहुँचने वाली भावना कंठ की यह सफलता देश की करोड़ों बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है। भारतीय वायुसेना के सबसे घातक लड़ाकू विमान सुखोई-30MKI को उड़ाने वाली भावना कंठ की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से दुश्मन देश पाकिस्तान के रक्षा विशेषज्ञों और सैन्य रणनीतिकारों के होश उड़ गए हैं। आइए जानते हैं भावना कंठ के इस रोमांचक सफर और इस कठिन ट्रेनिंग की हर एक गहराई के बारे में।

भारत की पहली टॉप गन बनीं भावना कंठ: भारतीय वायुसेना में रच

भारतीय वायुसेना के इतिहास में कई ऐतिहासिक पल दर्ज हैं, लेकिन स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ की इस उपलब्धि ने महिला सशक्तिकरण और सैन्य क्षमता का नया अध्याय लिखा है। TACDE ग्वालियर से फाइटर कॉम्बैट लीडर का ग्रेजुएट होना किसी भी फाइटर पायलट के करियर का सबसे सर्वोच्च शिखर माना जाता है।

ऐतिहासिक मुकाम की मुख्य विशेषताएं

>> देश की पहली महिला टॉप गन:भावना कंठ भारतीय वायुसेना के टॉप गन स्कूल TACDE से पास आउट होने वाली पहली महिला पायलट बन गई हैं।

>> अभूतपूर्व कॉम्बैट लीडरशिप:अब भावना न सिर्फ खुद लड़ाकू विमान उड़ाएंगी, बल्कि हवाई युद्ध (Air Combat) के दौरान पूरी फाइटर स्क्वाड्रन का नेतृत्व करने और नई रणनीतियां बनाने में सक्षम होंगी।

>> वर्ष 2026 का सबसे बड़ा रक्षा अपडेट:इस उपलब्धि को भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं के बढ़ते कॉम्बैट रोल के रूप में देखा जा रहा है।

यह भी पढ़ें:गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 85वीं पुण्यतिथि: जीवन दर्शन और अमर विचार

क्या है फाइटर कॉम्बैट लीडर (FCL) कोर्स और ग्वालियर का TACDE

अमेरिकी वायुसेना के विश्व प्रसिद्ध टॉप गन स्कूल की तर्ज पर भारतीय वायुसेना का ग्वालियर स्थित संस्थान टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (TACDE)कार्य करता है। इसे भारतीय वायुसेना का टॉप गन स्कूल कहा जाता है।

TACDE और FCL कोर्स की मुख्य बातें

ग्वालियर एयरबेस पर स्थित TACDE में वायुसेना के सर्वश्रेष्ठ फाइटर पायलटों को ही प्रवेश मिलता है। यहां दिए जाने वाले फाइटर कॉम्बैट लीडर (FCL) कोर्स का मुख्य उद्देश्य पायलटों को एडवांस एरियल वारफेयर (उन्नत हवाई युद्ध), मिसाइल टैकटिक्स, और दुश्मन के राडार को चकमा देने की आक्रामक रणनीतियों में माहिर बनाना है।

>> रणनीतिक प्रशिक्षण:इसमें आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और जटिल हवाई युद्ध का अभ्यास कराया जाता है।

>> इंस्ट्रक्टर रोल:FCL कोर्स पूरा करने वाले पायलट वायुसेना के अन्य पायलटों को युद्ध की नई नीतियां (Tactics) सिखाने के योग्य बन जाते हैं।

>> मास्टर ऑफ एयर कॉम्बैट:इस कोर्स को पास करने वाले पायलट को वायुसेना का मास्टर ऑफ एयर वारफेयर कहा जाता है।

100 में से सिर्फ 1 का होता है चयन: भावना ने कैसे पार की 20 ह

TACDE के फाइटर कॉम्बैट लीडर (FCL) कोर्स में प्रवेश पाना ही अपने आप में एक नामुमकिन जैसी चुनौती होती है। वायुसेना के अधिकारियों के अनुसार, इस कोर्स के लिए चुने जाने की प्रक्रिया बेहद कठोर है।

कठोर चयन प्रक्रिया और 20 हफ्तों का कड़ा इम्तिहान

वायुसेना के सैकड़ों प्रतिभाशाली फाइटर पायलटों में से केवल शीर्ष1% (100 में से केवल 1)पायलट का चयन इस कोर्स के लिए टेस्ट देने हेतु किया जाता है। भावना कंठ ने अपनी असाधारण प्रतिभा और मानसिक दृढ़ता के बल पर इस चयन परीक्षा को पास किया।

>> 20 हफ्तों का एडवांस कोर्स:भावना ने 20 सप्ताह (लगभग 5 महीने) तक चलने वाली अत्यंत कठिन और थका देने वाली ट्रेनिंग को सफलतापूर्वक पूरा किया।

>> दिन-रात कॉम्बैट फ्लाइंग:इस ट्रेनिंग के दौरान शून्य दृश्यता (Zero Visibility), अत्यधिक जी-फोर्स (G-Force) और रात के अंधेरे में सिम्युलेटेड युद्ध परिस्थितियों में जेट उड़ाने का अभ्यास शामिल होता है।

>> मानसिक और शारीरिक परीक्षा:हर दिन पायलटों की शारीरिक क्षमता, त्वरित निर्णय लेने की शक्ति और रणनीतिक सोच का कड़ा टेस्ट लिया जाता है।

मिग-21 से सुखोई-30MKI तक का रोमांचक सफर: वायुसेना का सबसे ता

स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ का फाइटर कॉकपिट का सफर बेहद रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सुपरसोनिक इंटरसेप्टर लड़ाकू विमान मिग-21 (MiG-21 Bison) से की थी।

मिग-21 से एयर डोमिनेंस जेट की यात्रा

मिग-21 जैसे चुनौतीपूर्ण विमान को सफलतापूर्वक उड़ाने के बाद भावना कंठ को भारतीय वायुसेना के सबसे शक्तिशाली और आधुनिक फाइटर जेटसुखोई-30MKI (Sukhoi-30MKI)की स्क्वाड्रन में तैनात किया गया।

>> सुखोई-30MKI की ताकत:यह दो इंजन वाला ट्विन-सीटर मल्टीरोल एयर डोमिनेंस फाइटर जेट है, जो ब्रह्मोस मिसाइल दागने में सक्षम है।

>> मल्टी-रोल क्षमता:हवा से हवा और हवा से जमीन पर सटीक निशाना लगाने में माहिर भावना कंठ अब इस घातक जेट के साथ दुश्मन की सीमाओं में तबाही मचाने के लिए तैयार हैं।

यह भी पढ़ें:प्राचीन भारत की 5 महान खोजें: आज का विज्ञान भी है हैरान!

गणतंत्र दिवस परेड से लेकर फाइटर कॉकपिट तक: पहले भी कई कीर्ति

भावना कंठ के नाम पहले से ही कई ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज हैं। वह भारतीय वायुसेना की उन शुरुआती तीन महिला फाइटर पायलटों की ऐतिहासिक तिकड़ी (अवनि चतुर्वेदी, भावना कंठ और मोहना सिंह) का हिस्सा रही हैं, जिन्होंने 2016 में कॉकपिट संभाला था।

भावना कंठ के प्रमुख ऐतिहासिक कीर्तिमान

>> 2016 में इतिहास:भारतीय वायुसेना में पहली महिला फाइटर पायलट के रूप में कमिशन हासिल किया।

>> 2019 में कॉम्बैट रेडी:मिग-21 बायसन पर सोलो उड़ान भरकर दिन के समय कॉम्बैट मिशन के लिए योग्य बनने वाली पहली महिला पायलट बनीं।

>> 2021 गणतंत्र दिवस परेड:26 जनवरी 2021 को राजपथ (अब कर्तव्य पथ) पर गणतंत्र दिवस परेड की वायुसेना झांकी में हिस्सा लेने वाली देश की पहली महिला फाइटर पायलट बनीं।

>> 2026 में FCL कोर्स:अब TACDE से पास आउट होकर देश की पहली महिला टॉप गन बनने का कीर्तिमान अपने नाम किया।

बिहार के छोटे से शहर से आसमान की उड़ान तक: जब सच हुआ बचपन का

बिहार के बेगूसराय और दरभंगा जिले से गहरा नाता रखने वाली भावना कंठ का बचपन से ही आसमान में उड़ने का सपना था। उनके पिता IOCL में इंजीनियर थे, जिससे भावना की पढ़ाई-लिखाई अलग-अलग शहरों में हुई। उन्होंने मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स में बी.टेक की डिग्री हासिल की और IT कंपनी में जॉब भी की, लेकिन उनका असली लक्ष्य भारतीय वायुसेना ही था।

यह हमेशा के लिए समय था भावना का बचपन का सपना

साल 2016 में वायुसेना में शामिल होने के वक्त दिए गए एक भावुक साक्षात्कार में भावना कंठ ने कहा था:

मेरे लिए यह सिर्फ एक करियर नहीं, बल्कि बचपन का सपना था। जैसे ही मुझे फाइटर स्ट्रीम में जाने का मौका मिला, मैंने उसे लपकने में एक सेकंड की भी देरी नहीं की। मुझे नहीं लगता कि महिलाओं के लिए फाइटर बनने का यह कोई विशेष समय है, मुझे लगता है कि यह अवसर हमेशा के लिए होना चाहिए था।

यह भी पढ़ें:यूपी में एक कागज के लिए अटकी पेंशन, घर बैठे बनाएं जीवन प्रमाण पत्र! (पढ़ें संपूर्ण जानकारी)

पाकिस्तान की उड़ी नींद: भावना कंठ की यह नई उपलब्धि दुश्मनों

ग्वालियर का TACDE संस्थान अपनी आक्रामक और अचूक हवाई युद्ध रणनीतियों के लिए जाना जाता है। 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद TACDE का गठन किया गया था ताकि भारतीय वायुसेना के फाइटर पायलटों को पाकिस्तान और चीन के खिलाफ युद्ध में पूर्ण वर्चस्व हासिल करने के गुर सिखाए जा सकें।

दुश्मन देशों के लिए खौफ का कारण

जब भी भारत का कोई फाइटर पायलट FCL कोर्स पास करता है, तो इसका सीधा मतलब होता है कि वायुसेना की युद्ध क्षमता में 10 गुना वृद्धि हो चुकी है।

>> घातक फॉर्मेशन लीडर:स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ अब केवल अकेला जेट नहीं उड़ाएंगी, बल्कि सुखोई-30MKI के पूरे बेड़े का नेतृत्व करते हुए सीमा पार पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त करने की योजना बनाएंगी।

>> अचूक स्ट्राइक क्षमता:TACDE से प्रशिक्षित टॉप गन पायलटों की मिसाइल स्ट्राइक की सटीकता 99% से अधिक होती है, जो किसी भी सीमा पार तनाव में पाकिस्तान के लिए सीधी चुनौती है।

>> नारी शक्ति का पराक्रम:भावना कंठ की यह उपलब्धि सीमा पार बैठे दुश्मनों को कड़ा संदेश देती है कि भारत की बेटियां अब सीमाओं की सुरक्षा ही नहीं कर रहीं, बल्कि अग्रिम मोर्चे पर दुश्मन का नामोनिशान मिटाने के लिए तैयार हैं।

निष्कर्ष: नारी शक्ति और भारतीय वायुसेना का स्वर्णिम युग

स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ द्वारा TACDE ग्वालियर से फाइटर कॉम्बैट लीडर कोर्स पूरा करना केवल उनके करियर की व्यक्तिगत जीत नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण भारतीय वायुसेना और भारत की नारी शक्ति का स्वर्णिम क्षण है। बिहार के एक साधारण परिवार से निकलकर देश की पहली टॉप गन बनने तक का उनका सफर यह साबित करता है कि जब इरादे फौलादी हों, तो आसमान की कोई सीमा नहीं होती। भावना कंठ की यह नई क्षमता और सुखोई-30MKI का साथ भारत की रक्षा प्रणाली को और अधिक अभेद्य बनाता है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

स्क्वाड्रन लीडर भावना कंठ TACDE ग्वालियर से फाइटर कॉम्बैट लीडर (FCL) कोर्स सफलतापूर्वक पूरा कर भारत की पहली महिला टॉप गन बनी हैं।

ग्वालियर स्थित टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (TACDE) भारतीय वायुसेना का सबसे प्रतिष्ठित संस्थान है, जो अमेरिका के टॉप गन स्कूल की तर्ज पर फाइटर पायलटों को उन्नत हवाई युद्ध रणनीति सिखाता है।

FCL कोर्स के लिए चयन दर बेहद कठिन है वायुसेना के सर्वश्रेष्ठ फाइटर पायलटों में से केवल 100 में से 1 (1%) पायलट ही इस कठिन परीक्षा के लिए चुना जाता है।

वर्तमान में भावना कंठ भारतीय वायुसेना का सबसे शक्तिशाली दो इंजन वाला लड़ाकू विमान सुखोई-30MKI (Sukhoi-30MKI) उड़ाती हैं। शुरुआत में उन्होंने मिग-21 बायसन उड़ाया था।

भावना कंठ मूल रूप से बिहार राज्य (दरभंगा बेगूसराय) की रहने वाली हैं।

साल 2021 की गणतंत्र दिवस परेड (26 जनवरी) में हिस्सा लेकर भावना कंठ परेड का हिस्सा बनने वाली देश की पहली महिला फाइटर पायलट बनी थीं।

यह कोर्स पायलटों को न केवल अकेले युद्ध लड़ने, बल्कि पूरे फॉर्मेशन का नेतृत्व करने, मिसाइल रणनीति बनाने और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में दुश्मन को मात देने का मास्टर बनाता है।

2016 में भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में शामिल होने वाली पहली तीन महिला पायलट भावना कंठ, अवनि चतुर्वेदी और मोहना सिंह थीं।